ToB बालमंच

मासिक अक्टूबर- 2023 नन्हीं कलम से ..... ✍

त्योहार विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

शंख की ध्वनि के क्या लाभ हैं ?

क्रिएटिव डिजाइनर सह सम्पादक :- त्रिपुरारि राय

म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 31

RANJEETA, GPS BHIMALPUR, MEHSI, EAST CHAMPARAN

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों ,

बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच" का त्योहार विशेषांक प्रकाशित करते हुए हमें अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

बच्चों , त्योहार हमारे जीवन को उत्सवपूर्ण बनाते हैं और हमें सहयोग, प्रेम और समर्पण की महत्वपूर्णता को सिखाते हैं। इस प्रकार, त्योहारों का महत्व अत्यधिक है क्योंकि ये हमारे जीवन को रोशनी और रंगीनी से भर देते हैं, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, और हमें खुशियों से भर देते हैं।त्योहारों से हमारे जीवन में परिवर्तन और उल्लास का संचार होता है। त्योहार किसी भी जाति और देश उसके अतीत से सम्बन्ध जोड़ने का भी उत्तम साधन हैं। जीवन में पग पग पर आने वाली कठिनाइयों तनाव और पीड़ा को भुलाने का साधन भी त्योहार ही हैं।

यही कारण है कि त्योहारों के अवसर सभी मानव हर्ष से झूम उठते हैं।जब हम दूसरों के साथ त्योहार मनाते हैं, तो इससे समाज के विभिन्न लोगों के साथ सामाजिक संपर्क विकसित करने में मदद मिलती है । विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ त्योहार मनाने से खुशियाँ फैलाने में मदद मिलती है। त्यौहार आनंद के स्रोत के रूप में कार्य करते हैं, हमारे निकट और प्रिय प्रियजनों के साथ यादें बनाते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह त्योहार विशेषांक अवश्य ही आप में उत्साह और ऊर्जा का संचार करेगा।

यह अंक आपको कैसा लगा? आपके मन की बातों को आप ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य भेजें। हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे ।

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका. ToB बालमंच

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

त्योहारों का बच्चों के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। वे न सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि शैली, कला, संगीत आदि के क्षेत्र में भी बच्चों की प्रतिभा को विकसित करने का मौका प्रदान करते हैं। हमारे समय में, त्योहारों में रुचि कम हो रही है यह एक गंभीर विचार का विषय है। आधुनिकता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास ने मानव जीवन को नए दिशानिर्देश दिए हैं। आजकल के लोग ज्यादातर अपने कैरियर और पेशेवर जीवन में व्यस्त होने के कारण त्योहारों के प्रति अपनी रुचि खो रहे हैं। यहाँ तक कि कई लोग त्योहारों को बस एक आवकाश या छुट्टी के रूप में देखते हैं और उन्हें आपसी मिलनसर और अपने प्रियजनों के साथ गुजारा करने का माध्यम मानते हैं।

व्यस्त जीवनशैली, आधुनिक विशेषज्ञता की मांग और समय की कमी के कारण लोग त्योहारों के आयोजन और उनके पारंपरिक महत्व को उपेक्षित करने लगे हैं। विशेष रूप से युवा पीढ़ी ज्यादातर आधुनिक विशेषज्ञता, सोशल मीडिया, और अन्य मनोरंजन स्रोतों के प्रति आकर्षित हो रही है और त्योहारों के परंपरागत आयोजनों में कम रुचि दिखा रही है। विचारशीलता और मानवीय संवाद की कमी भी त्योहारों की रुचि में कमी का कारण हो सकती है। आजकल के लोग ज्यादातर अपने स्मार्टफोन और इंटरनेट के साथ जुड़े रहते हैं और इसके कारण वे अपने परिवार और सामाजिक संबंधों से दूर हो जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वे त्योहारों में भाग लेने के अवसरों को हाथ से जाने देते हैं और उनकी रुचि धीरे-धीरे कम होती जा रही है। त्योहारों का महत्व हमारे जीवन में अत्यधिक होता है। वे सामाजिक एकता, सांस्कृतिक धरोहर, आत्मरंजन, अर्थनीति और धार्मिकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। हमें इन त्योहारों का समय समय पर उत्सव और आनंद के साथ मनाने की आदत बनानी चाहिए ताकि हम अपने जीवन को खुशियों से भर सकें।

आशा है त्यौहार विशेषांक का ये अंक आपमें नई ऊर्जा का संचार करेगा |

ढेर सारी शुभकामनाएँ सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)
प्रूफ़ रीडर	:-	विकास कुमार, म..वि.बलुआहा, महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया) 3. निधि चौधरी, नया प्रा.वि. सुहागी (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1. प्रधान सम्पादक की कलम से
2. सम्पादकीय
3. आवरण कथा
4. कविता
5. कहानी
6. हँसो रे बाबू
7. बूझो तो जानें
8. वैज्ञानिक कारण
9. कहानी बनाओ प्रतियोगिता
10. अखबारों की नजर में हम
11. उभरते सितारे
12. तकनीकी कोना
13. बालमन
14. विद्यालयी क्रियाकलाप
15. क्या आप जानते हैं ?
16. अंग्रेजी सीखें
17. ड्राइंग / पेंटिंग
18. उभरते सितारे
19. फोटो ऑफ़ द मंथ
20. हिंदी ज्ञान
21. प्रमुख दिवसें
22. प्रेरक प्रसंग
23. रोचक तथ्य
24. खेल-खेल में योग
25. तुम भी बनाओ.....
26. आपकी बात आपकी जुबानी

प्रेरक प्रसंग

घमंडी कौवा

हंसों का एक झुण्ड समुद्र तट के ऊपर से गुज़र रहा था, उसी जगह एक कौवा भी मौज मस्ती कर रहा था। उसने हंसों को उपेक्षा भरी नज़रों से देखा "तुम लोग कितनी अच्छी उड़ान भर लेते हो !" कौवा मज़ाक के लहजे में बोला, "तुम लोग और कर ही क्या सकते हो बस अपना पंख फड़फड़ा कर उड़ान भर सकते हो ! क्या तुम मेरी तरह फुर्ती से उड़ सकते हो ? मेरी तरह हवा में कलाबाजियां दिखा सकते हो ? नहीं, तुम तो ठीक से जानते भी नहीं कि उड़ना किसे कहते हैं ?"

कौवे की बात सुनकर एक वृद्ध हंस बोला," ये अच्छी बात है कि तुम ये सब कर लेते हो, लेकिन तुम्हे इस बात पर घमंड नहीं करना चाहिए।"

" मैं घमंड – वमंड नहीं करता, अगर तुम में से कोई भी मेरा मुकाबला कर सकते हो तो सामने आओ और मुझे हरा कर दिखाओ।"

एक युवा नर हंस ने कौवे की चुनौती स्वीकार कर ली। यह तय हुआ कि प्रतियोगिता दो चरणों में होगी, पहले चरण में कौवा अपने करतब दिखायेगा और हंस को भी वही करके दिखाना होगा और दूसरे चरण में कौवे को हंस के करतब दोहराने होंगे। प्रतियोगिता शुरू हुई, पहले चरण की शुरुआत कौवे ने की और एक से बढ़कर एक कलाबजियां दिखाने लगा, वह कभी

शुभकामना संदेश

कार्यालय, जिला शिक्षा पदाधिकारी, खगड़िया।
अनुमंडल परिसर, खगड़िया।

-: शुभकाना संदेश :-

बाल मंच कर्मठ गुरूओं और प्रतिभाशील नौनिहालों का एक साक्षा रंगमंच है, जिस पर दोनों की सीखने एवं सिखाने की ललक का रचनात्मक प्रदर्शन होता है। इस पंत्रिका के नन्हे पद चिन्हों को दूर तक की यात्रा के लिए मेरे और खगड़िया शिक्षा विभाग की तरफ से अशेष शुभेच्छा।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
स्थापना, खगड़िया।

FLN गतिविधि लिंक On TOB

1. https://www.facebook.com/100006854591675/videos/215922894842691/
2. https://www.facebook.com/reel/253955654299049
3. https://www.facebook.com/reel/1386653162197666
4. https://www.facebook.com/100051454523878/videos/315093301149041/
5. https://www.facebook.com/100005486417240/videos/754818089771237/
गरबा नृत्य

गोल-गोल चक्कर खाता तो कभी ज़मीन छूते हुए ऊपर उड़ जाता।वहीं हंस उसके मुकाबले कुछ ख़ास नहीं कर पाया। कौवा अब और भी बढ़-चढ़ कर बोलने लगा," मैं तो पहले ही कह रहा था कि तुम लोगों को और कुछ भी नहीं आता...ही ही ही..."

फिर दूसरा चरण शुरू हुआ, हंस ने उड़ान भरी और समुद्र की तरफ उड़ने लगा। कौवा भी उसके पीछे हो लिया," ये कौन सा कमाल दिखा रहे हो, भला सीधे -सीधे उड़ना भी कोई चुनौती है ? सच में तुम मूर्ख हो !", कौवा बोला।

पर हंस ने कोई ज़वाब नही दिया और चुप-चाप उड़ता रहा। धीरे-धीरे वे ज़मीन से बहुत दूर होते गए और कौवे का बड़बड़ाना भी कम होता गया और कुछ देर में बिलकुल ही बंद हो गया। कौवा अब बुरी तरह थक चुका था, इतना कि अब उसके लिए खुद को हवा में रखना भी मुश्किल हो रहा था और वो बार -बार पानी के करीब पहुच जा रहा था। हंस कौवे की स्थिति समझ रहा था, पर उसने अनजान बनते हुए कहा," तुम बार-बार पानी क्यों छू रहे हो, क्या ये भी तुम्हारा कोई करतब है ?""नहीं " कौवा बोला," मुझे माफ़ कर दो, मैं अब बिलकुल थक चुका हूँ और यदि तुमने मेरी मदद नहीं की तो मैं यहीं दम तोड़ दूंगा...मुझे बचा लो मैं कभी घमंड नहीं दिखाऊंगा...."

हंस को कौवे पर दया आ गयी, उसने सोचा कि चलो कौवा सबक तो सीख ही चुका है, अब उसकी जान बचाना ही ठीक होगा,और वह कौवे को अपने पीठ पर बैठा कर वापस तट की और उड़ चला।

सीख -बच्चों,हमे इस बात को समझना चाहिए कि भले हमें पता ना हो पर हर किसी में कुछ न कुछ गुण होती है जो उसे विशेष बनाती है और भले ही हमारे अन्दर हज़ारों अच्छाईयां हों, पर यदि हम उसपे घमंड करते हैं तो देर-सबेर हमें भी कौवे की तरह शर्मिंदा होना पड़ सकता है। एक पुरानी कहावत भी है,"घमंडी का सर हमेशा नीचा होता है।" इसलिए ध्यान रखिये कि कहीं जाने -अनजाने आप भी कौवे वाली गलती तो नहीं कर रहे ?

विकास कुमार,
प्रधानाध्यापक
म.वि. बलुआहा, महिषी
(सहरसा)

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें | उत्कृष्ट कहानी को अगले अंक में छपा जाएगा | कहानी के साथ अपना नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम अवश्य लिखें | |

बूझो तो जानें..

आपस में ये मित्र बधे है,
चार पड़े है चार खड़े है ।
इच्छा हो तो उस पर बैठो,
या फिर बड़े मजे से लेटो ।
उत्तर: खाट/चारपाई

हंसो रे बाबू

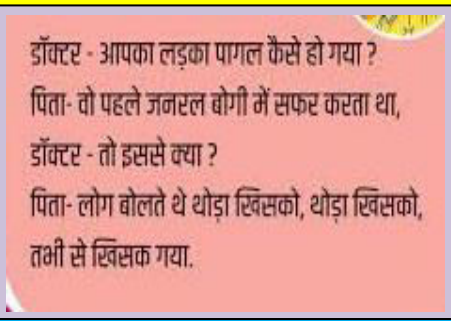

शिल्पा कुमारी,

क्या आप जानते हैं ?

1. लेनिन की मृत्यु कब हुई ? Ans - 1924 में

2. चार्ल्स प्रथम को फाँसी कब दी गई ? Ans - 1649 में

3. भारत में Repo Rate कौन निर्धारित करता है ? Ans - Reserve Bank Of India

4. वनस्पति विज्ञन के जनक कौन है ? Ans - थियोफ्रेस्टस

5. सबसे बड़ी आँखें किस स्तनधारी प्राणी की होती है ? Ans - हिरण

6. विश्व का सबसे बड़ा तेल भंडार रिजर्व कहाँ स्थित है ? Ans - सऊदी अरब

7. महाभारत का प्रारंभिक नाम क्या था ? Ans - जय संहिता

8. एंग्लो - मोहम्मद ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना के लिए कौन उत्तरदाई था ? Ans - सर सैयद अहमद खान

9. पानी के अंदर हवा का बुलबुला किस तरह बर्ताव करता है ?
Ans - एक अवतल लेंस

10. England में गृह युद्ध कब हुआ ? Ans - 1642 में

अंग्रेजी सीखें

1. Ceremony = समारोह
2. Reception = बहूभोज
3. Procession = बारात
4. Garland = फूलों की माला
5. Fiance = मंगेतर
6. Bride = दुल्हन
7. Groom = दूल्हा
8. Greedy = लालची
9. Astray = गुमराह करना
10. Stubborn = जिद्दी
11. Hellcat = डायन
12. Vixen = झगड़ालू
13. Harridan = चुड़ैल
14. Termagant = डिंगबाज
15. Bastard = कमिना
16. Swine = सूअर
17. Verlet = दगाबाज
18. Strumpet = बाजारू
19. Yokel = गवार / देहाती
20. Crook = धोखेबाज

रिया कुमारी
Ums सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

फोटो ऑफ़ द मंथ

संतोष कुमार, सरौनी कला, मधेपुरा

कविता :

हम हैं भारत मां की शान
है उत्साह यही उम्मीद यही,
हम कुछ कर के दिखलाएंगे।
भारत मां की सेवा में हम,
अपना सब कुछ लुटाएंगे।
हम हैं भारत मां के बेटे,
जग में सब को हराएंगे।
नही असंभव कुछ भी जग में,
हम जग को बतलाएंगे।
हर जंग हम जीत लेंगे,
दुश्मन को मार गिरायेगे।
हम हैं भारत मां की शान,
यही बात दोहराएंगे।
भारत मां की रक्षा में,
हम अपनें प्राण गवाएंगे।

सोनाली कुमारी, वर्ग- नवम,
उ.मा.वि. गलगलिया।

प्रमुख दिवसें

1 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय दिवस
1 अक्टूबर विश्व शाकाहारी दिवस
2 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस
3 अक्टूबर विश्व प्रकृति दिवस
4 अक्टूबर विश्व अंतरिक्ष सप्ताह (4-10 अक्टूबर)
4 अक्टूबर विश्व पशु दिवस
5 अक्टूबर विश्व शिक्षक दिवस
8 अक्टूबर भारतीय वायुसेना दिवस
9 अक्टूबर विश्व पोस्ट दिवस
13 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस
14 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय मानक दिवस
15 अक्टूबर विश्व छात्र दिवस
16 अक्टूबर विश्व खाद्य दिवस
20 अक्टूबर विश्व सांख्यिकी दिवस
20 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस
21 अक्टूबर पुलिस स्मारक दिवस
24 अक्टूबर संयुक्त राष्ट्र दिवस
24 अक्टूबर विश्व विकास सूचना दिवस
24 अक्टूबर विश्व पोलियो दिवस
28 अक्टूबर राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस
28 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय एनीमेशन दिवस
29 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस
29 अक्टूबर विश्व स्ट्रोक दिवस
31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर विश्व बचत दिवस
31 अक्टूबर विश्व शहर दिवस

हिंदी ज्ञान

Q1. निम्मलिखित में से कौन सा मूल दीर्घ स्वर नही है?
[A] आ [B] ई [C] ऊ [D] ओ

Q2. हिंदी में ध्वनियाँ कितने प्रकार के होते है?
[A] 2 [B] 4 [C] 8 [D] 10

Q3. मात्रा के आधार स्वर कितने प्रकार के होते है?
[A] 2 [B] 3 [C] 7 [D] 9

Q4. एक से अधिक वर्णों के मेल को क्या कहते है?
[A] अक्षर [B] स्वर [C] व्यंजन [D] अनुस्वार

Q5. इ, ई, च, छ, ज, झ, आदि का उच्चारण किससे होता है?
[A] कंठच्य से [B] मूर्धन्य से [C] तालव्य से [D] ओष्ठ से

Q7. निम्मलिखित में से कौन सा एक दीर्घ स्वर नही है?
[A] इ [B] ई [C] ए [D] ऐ

Q8. निम्मलिखित में से अंत:स्थ व्यंजन कौन सा है?
[A] ग [B] ज [C] व [D] स

Q9. हिन्दी भाषा में कुल कितनी लिपियाँ है?
[A] 44 [B] 48 [C] 52 [D] 56

बालमन

मुझे ToB बालमंच बहुत पसंद है| हर महीने इसके प्रकाशन का इन्तजार रहता है | सभी बच्चों के चित्र मुझे काफी पसंद आते हैं | मै भी चित्र बनाता हूँ लेकिन कभी-कभी नहीं छपता है | आप मेरे चित्र को भी छापें | अपने दोस्तों को भी बालमंच पढने के लिए कहता हूँ | अगर बाज़ार में मिलता तो कितना अच्छा होता |

सोहम राय , वर्ग-2,
DAV बिश्रामपुर,
छत्तीसगढ़

आओ योग सीखें.....

आराम से बैठने की मुद्रा (सुखासन)

यदि आप बच्चों के लिए योगाभ्यास पर विचार कर रहे हैं, तो यह ध्यान में रखने योग्य एक और आसन है। यह बैठने की एक आसान मुद्रा है जिसमें पैरों को क्रॉस करके सीधा बैठना शामिल है।

कैसे करें: अपनी पीठ सीधी करके जमीन पर बैठें। अपने सिर, गर्दन और रीढ़ को एक सीध में रखें।

अब पैरों को क्रॉस करें और घुटनों को जमीन की ओर लाएं।

आप अपना हाथ दो तरह से रख सकते हैं. या तो हाथों को घुटनों पर ऊपर की ओर रखने का विकल्प चुनें या उन्हें हृदय केंद्र पर एक साथ रखें।

लाभ: शरीर को आराम देने में मदद करता है| फोकस में सुधार करता है| संपूर्ण शारीरिक मुद्रा को ठीक करता है| पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है| लचीलेपन को बढ़ावा देता है।

सावधानी: यदि आपके बच्चे के कूल्हे तंग हैं तो इस स्थिति में बैठना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उनके कूल्हों के नीचे एक मुड़ा हुआ कंबल या मजबूत तकिया रखें।

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

शंख की ध्वनि के क्या लाभ हैं ?

हिंदू धर्म में हर शुभ व मांगलिक कार्य में शंख बजाया जाता है। शंख बजाना बहुत ही अच्छा शगुन माना जाता है। वहीं शास्त्रों की मानें तो शंख बजाने के बहुत से धार्मिक महत्व होते हैं और वैज्ञानिक कारणों से भी शंख बजाने के कई फायदे होते हैं। शंख बजाने से सुख-समृद्धि सहित कई अन्य लाभ होते हैं। शंख की ध्वनि से कई बीमारियां दूर होती हैं। शंख बजाने से फेफड़ों को शक्ति मिलती है और फेफड़ों तक संक्रमण पहुंचने से पहले ही समाप्त हो जाता है। लोगों को फेफड़ों संबंधी संक्रमण नही होता है। सांस से सम्बंधित बीमारियां दूर होती हैं क्योंकि शंख बजाने से फेफड़े फैलते हैं, जिसके चलते अस्थमा और सांस से जुड़ी बीमारियां जड़ से खत्म हो जाती हैं। ब्लड सर्कुलेशन भी ठीक रहता है।

-: प्रस्तुतकर्ता :-
त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

कविता : मानव

नित्य सवेरे सूरज आकर, देता यह संदेश हमें।
उठो उठो अब आलस छोड़ो,
आओ अब कुछ काम करें।

विपदा चाहे लाख़ बड़ी हो,
तनिक नहीं घबराएँ हम।
साहस और पराक्रम से ,
विपदा को दूर भगाएं हम।

जन्म लिये मानव तन में तो,
उसका थोड़ा मान धरें।
मानव हैं मानव बनकर ही,
इस जग का कल्याण करें।

रोज सवेरे चहके पंछी,
जीवन का संचार करे।
ठंडी-ठंडी हवा सुहानी,
मन मन्दिर में आन बसे।

रंग बिरंगी कलियाँ खिलकर,
जीवन में मुस्कान भरे।
भँवरो के गुंजन से गुलशन,
इस जग का गुणगान करे।

हौले -हौले पल्लव डोले,
पुरवाई भी संग संग बोले,
लता गुल्म भी हर्षित होकर,
जीवन में मुस्कान भरे।

बागों में जब बुलबुल गाये,
पुष्प -सुमन गुल को महकाए।
जब अमराई हमें बुलाये,
हम अपने को रोक न पाएं।

फिर होती थी खूब मस्ती ,
भागम-भाग ,लुका -छिपी।
खेलें हम सब आँख मिचौली
खट्टी अमिया मीठी इमली।

अमराइयों में लगते झूले,
उस पल को हम कैसे भूलें।
ना कोई चिन्ता ना कोई फिकर,
बस मस्ती और खुशहाल डगर।
फिर समय बीत गया हौले- हौले

बचपन की सब बातें भूले।
जिम्मेवारी अब सर पर आई,
ना कोई मस्ती ना अमराई ।
सच ही कहा है बड़े-बूढों ने,
आओ अब कुछ काम करें।

इस जग का कल्याण करें।

प्रीति कुमारी, क.म.वि.मऊ (समस्तीपुर)

अखबारों के नजर में हम

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com अपना

लर्निंग आउटकम पर सूबे के शिक्षकों के पढ़ाने का तरीका देख सकेंगे देशभर के लोग

छठी से 10वीं तक के बच्चों के लिए ऑडियो-वीडियो बनाएंगे शिक्षक

अच्छी खबर

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। कक्षा 6ठी से 10वीं तक के बच्चों के लिए शिक्षक अब ऐसा ऑडियो और वीडियो बनाएंगे, जिससे वे आसानी से अपनी पढ़ाई कर सकेंगे। लर्निंग आउटकम पर सूबे के शिक्षकों के पढ़ाने का तरीका देशभर के बच्चे और शिक्षक भी देख सकेंगे और इससे सीख सकेंगे।

एनसीईआरटी की ओर से शिक्षकों को प्री-प्रोडक्शन से लेकर पोस्ट प्रोडक्शन की ट्रेनिंग दी जा रही है। तीन दिवसीय यह ट्रेनिंग 18 अक्टूबर से शुरू हुई है। ट्रेनिंग से लौटकर आने के बाद ये शिक्षक अन्य शिक्षकों को भी ट्रेंड करेंगे। मुजफ्फरपुर समेत सूबे के सात शिक्षकों का चयन ट्रेनिंग के लिए हुआ है। ट्रेनिंग में शामिल जिले के शिक्षक केशव कुमार ने बताया कि अबतक पाठ्यपुस्तक पर ही ऑडियो-विडियो बनाया जा रहा था, मगर इसमें नया प्रयोग किया गया है। अब इसे इस तरीके से बनाना है कि देशभर के बच्चे या शिक्षक भी इससे सीख सकें।

प्री चैनल पर बच्चों के लिए उपलब्ध रहेगा ऑडियो-विडियो: शिक्षक केशव कुमार ने बताया कि लर्निंग आउटकम के तहत अलग-अलग प्रयोग किये गये हैं। बच्चे किस तरह से आसानी से समझ सकेंगे और उसका कितना असर पड़ेगा, इसे ध्यान में रखा जा रहा है। यह प्री चैनल पर बच्चों के लिए उपलब्ध रहेगा, जिससे बच्चे बिना नेट के भी किसी भी समय कोई भी पाठ या टॉपिक पढ़ सकते हैं और समझ सकते हैं। बच्चों की सुविधा के लिए यह किया जा रहा है।

वीडियो के माध्यम से बच्चों को पढ़ाते एक शिक्षक।

07 शिक्षकों का हुआ है चयन, मुजफ्फरपुर के भी एक शिक्षक हैं शामिल

- बच्चे किस तरह आसानी से सीख सकेंगे, इस बात का ख्याल रखा जा रहा है
- बच्चे बिना नेट के भी किसी भी समय कोई भी पाठ या टॉपिक पढ़ सकते हैं

सितम्बर अंक के कहानी बनाओ

एक बार की बात है। बिहार के उत्तर दिशा की ओर एक गाँव बसा था। जिस का नाम हरीयाली पुर था। वहा पर एक लड़का था जिसका नाम रवि था। एक दिन रवि साइकल के टायर से खेल रहा था तभी उसने अपनी माँ और चाची के बहुत दूर से मटके में पानी लाते हुए देखा रवि देखा माँ और चाची दोनो ही पसीने से तर हो चुकी हैं। उसने जा कर माँ की मदद की। रवि ने इस बारे मे बहुत देर तक सोचा और फिर अपने दादा जी के पास गया और कहने लगा दादा जी इस गाँव का नाम तो हरीयाली पुर है लेकिन यहा दूर दूर तक हरीयाली का नाम तक नही है। ऐसा क्यों?

दादा जी ने कहा पहले तो यहां की हरीयाली देखने लोग दूर-दूर से आया करते पर जब से यहा पर पेंड़ कहने लगे है फैक्टरी बनने लगी है तब से यहा हरीयाली सुखे मे बदल गइ है। और तो और बहुत सारी फेक्ट्री तो इधर वैध तरीके से भी नही बने हुए हैं। रवि को एक तरकबी सुझी उसने बच्चों की एक टीम बनाई और घूम घूम कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने लगा। प्रारम्भ में तो किसी ने भी उनकी बातों को गम्भीरता से नहीं लिया। फिर एक एनजीओ की टीम उनके साथ मिल गई। और सभी लोग मिल कर गाँव मे पेड़ लगाने लगे। देखते देखते पूरे गाँव मे वृक्षारोपण का अभियान चल पड़ा। और आस पास के गाँव वालों ने भी इसका अनुकरण किया। इसके बाद रवि के दादा जी ने कलेक्टर को एक पत्र लिख अवैध फेक्ट्रियो के बारे में भी लिखा।

और देखते ही देखते हरियालीपुर एक बार फिर से हरा भरा हो उठा। और यहां बारिश भी होनी शुरू हो गई।

संस्कृति चौधरी, कक्षा 4, प्राथमिक विद्यालय सुहागी, किशनगंज।

Firdaus Naj
Aurangabad

सोहेल तनवीर
क्लास 7

शहीद

Santosh Kumar
Madanpura

नाजनी प्रवीण
क्लास 7

नाजनी प्रवीण
क्लास 7

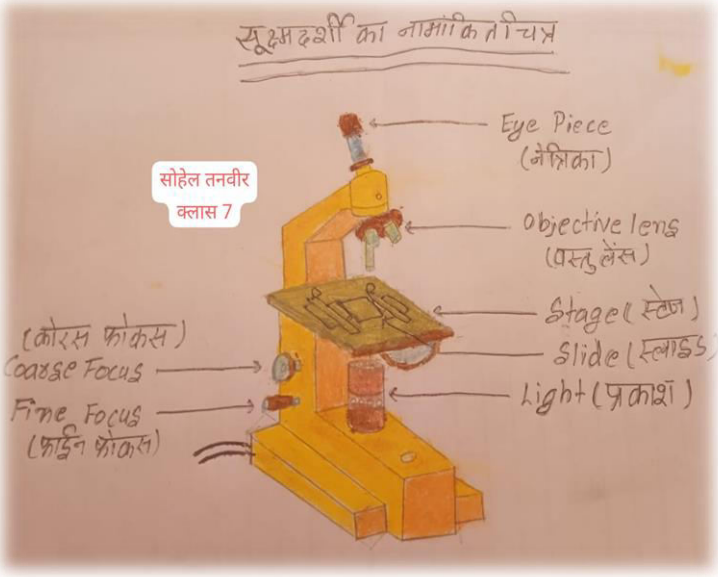
सूक्ष्मदर्शी का नामांकित चित्र
सोहेल तनवीर
क्लास 7
Eye Piece
(नेत्रिका)
Objective lens
(वस्तु लेंस)
Stage (स्टेज)
Slide (स्लाइड)
Light (प्रकाश)
(कोरस फोकस)
Coarse Focus
Fine Focus
(फाईन फोकस)

तुम भी बनाओ. . . . . .

अभिमन्यु कुमार
Ums दुघरा (भभुआ)
कैमूर

शुभम कुमार
UMS
Badhriya,Chan(Kaimur

हिन्दी
दिवस

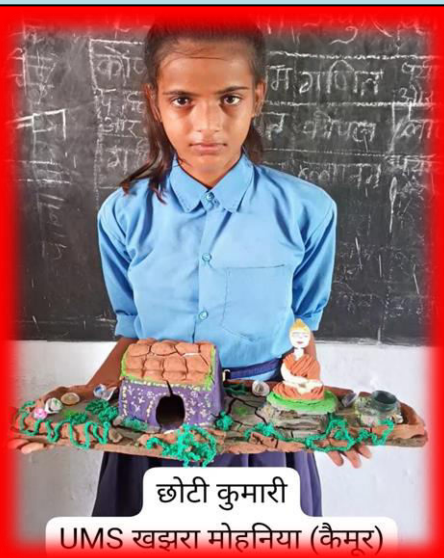
छोटी कुमारी
UMS खझरा मोहनिया (कैमूर)

मोहम्मद
क्लास 5

Suhani suman Samastipur

I AM PROUD TO BE A GIRL
SHE MAKES THE WORLD BRIGHT BUT STILL STRUGGLES TO THE LIGHT
SAVE GIRL CHILD
LET HER GROW
PROTECT THEM
RESPECT THEM
GIVE GIRLS WINGS TO FLY NOT THE PAIN TO CRY AND DIE
A FRIEND, A SISTER, AWIFE, A MOTHER, A DAUGHTER
WHEN YOU KILL ONE GIRL CHILD YOU ALSO KILL MANY OTHERS.

Bunch of balloons

Vijay kisku
Class 3
UMS DOGACHHI

वीणा कुमारी
का - 03
रोल - 30
म० वि० हनुमान नगर
बेलदौर, खगड़िया

करण कुमार, वर्ग -8,

चंद्रयान-3

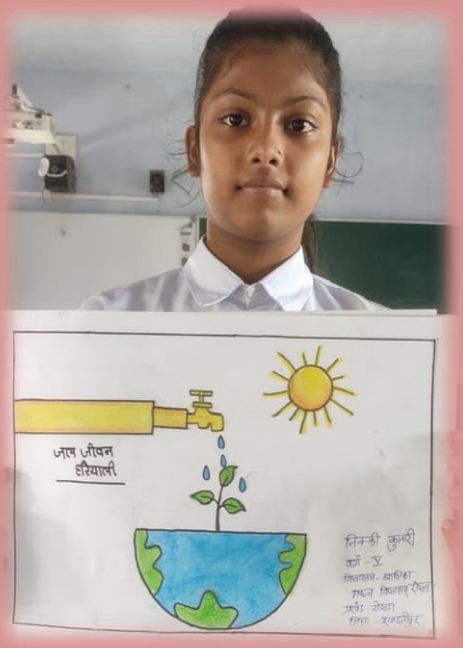
जल जीवन
हरियाली

कथा सम्राट(महान कवि)
उपन्यास- सेवा-
सदन,गबन,प्रेमाश्रम,रंगभू
, कर्मभूमि आदि ।

ज़ैनब प्रवीण
प्रा. वि. सुहागी

सोनमणि मुर्मू

सुश्री कुमारी, अमौर, पूर्णियाँ (बिहार)

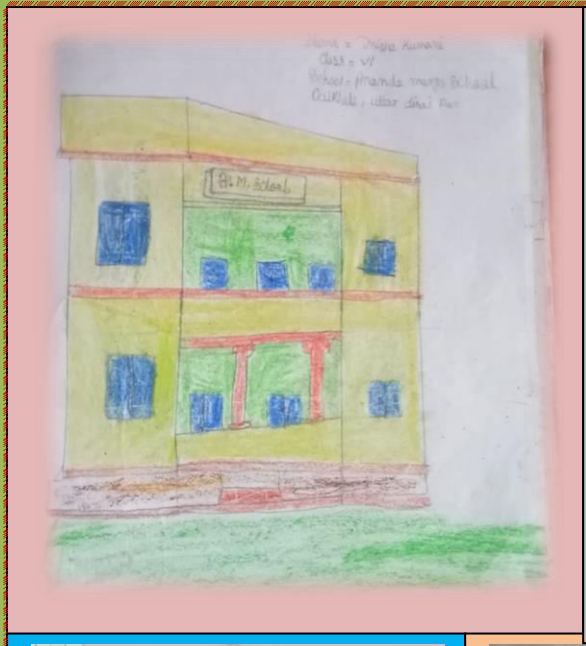

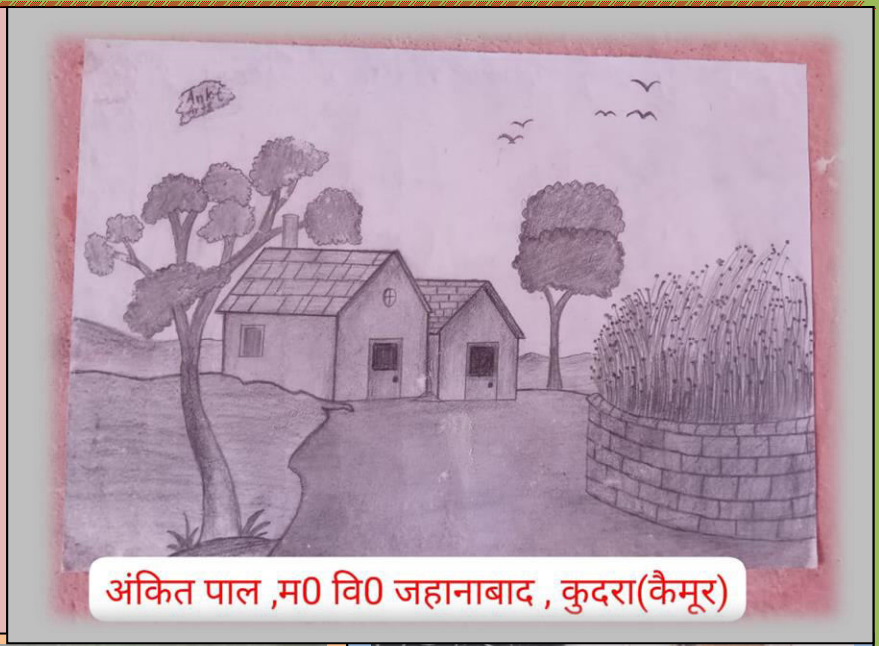

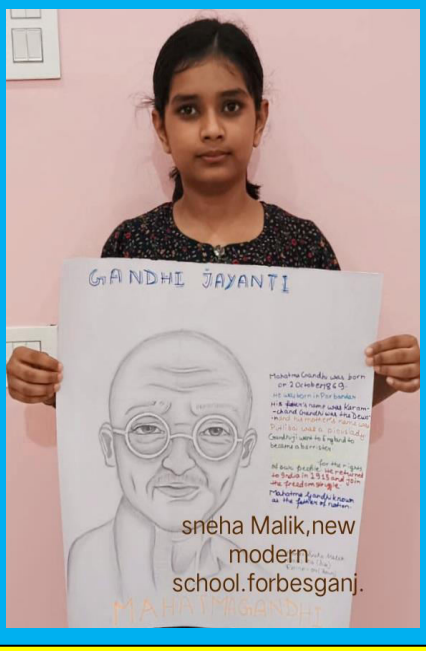

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको TOB बालमंच का ये अंक कैसा लगा? हमें अवश्य बताएं | आप हमें नीचे दी गए किसी भी माध्यम ईमेल या व्हाट्सअप द्वारा सूचित कर सकते हैं |

email-
balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp: 8877318781
(Tripurari Roy)

धन्यवाद

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

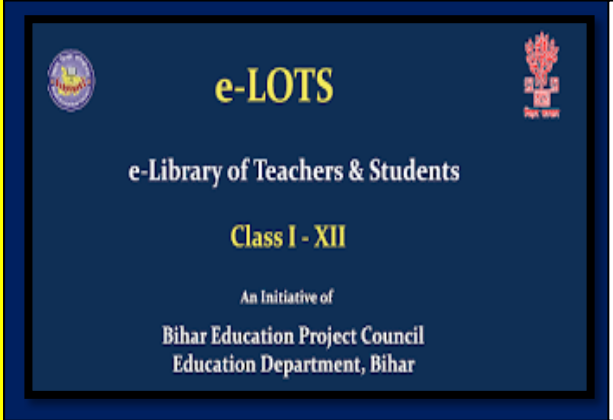

THANKS FOR A VIEW